सामाजिक विज्ञान

(नागरिक शास्त्र)

अध्याय-1: लोकतंत्र क्या? लोकतंत्र क्यों?

Fukey Education

लोकतंत्र का अर्थ:-

डेमोक्रेसी (लोकतंत्र) यूनानी शब्द ‘ डेमोक्रेशिया ‘ से बना है। यूनानी में ‘ डेमोस ‘ का अर्थ होता है ‘ लोग ‘ और ‘ क्रेशिया ‘ का अर्थ होता है ‘ शासन ‘। इस प्रकार डेमोक्रेसी अर्थात् लोकतंत्र का अर्थ है लोगों का शासन।

लोकतंत्र दो शब्दों से मिलकर बना है लोक + तंत्र । लोक का मतलब है लोग तथा तंत्र का मतलब होता है शासन अर्थात लोगों का शासन, लोगों के लिए, लोगों के द्वारा, लोगों का शासन लोकतंत्र कहलाता है। लोकतंत्र प्रत्येक योग्य नागरिक को राज्य से सम्बन्धित मामलों पर अपना मत व्यक्त करने की अनुमति प्रदान करता है। लोकतंत्र स्वतंत्रता, समानता और भ्रातृत्व की अवधारणा पर आधारित है। इसका सिद्धांत है कि वे सभी व्यक्ति जो नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के योग्य हैं राज्य के दिशा-निर्देशन में उनकी सहभागिता होनी चाहिए। यह व्यक्तियों के मध्य भेद नहीं करता है। एक लोकतांत्रिक समाज में सभी धर्म, वर्ग, वंश, जाति, जन्म और सम्प्रदाय के लोग किसी भी भेदभाव के बिना समान अधिकारों और सुविधाओं का उपयोग करते हैं।

लोकतंत्र:-

- शासन का वह रूप है जिसमें शासकों का चुनाव जनता करती है लोकतंत्र कहलाता है।
- लोकतंत्र निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनावों पर आधारित होता है। लोकतंत्र में हर वयस्क नागरिक का एक वोट होता है। लोकतान्त्रिक सरकार संवैधानिक कानूनों और नागरिक अधिकारों के आधार पर ही काम करती है।

Fukey Education

अब्राहम लिंकन द्वारा लोकतंत्र:-

"लोकतंत्र ऐसी सरकार है जो लोगों की हो, लोगों के लिए हो और लोगों द्वारा बनाई गई हो " (अब्राहम लिंकन) अब्राहम लिंकन ने लोकतंत्र की अवधारणा को जनता की, जनता के द्वारा और जनता के लिए सरकार के रूप में परिभाषित किया , जिसके अनुसार जनता की और जनता के द्वारा सरकार ही जनता के लिए होती है. इस परिभाषा में "सरकार" शब्द के प्रयोग में सम्पूर्ण जनता को शासक और शासित वर्ग में विभाजित कर दिया है तथा जनता के लिए प्रयोग ने चर्चा को "जनता की" और "जनता के द्वारा" से "जनता के लिए" हस्तांतरित कर दिया है. परिणामस्वरूप वास्तविक बिंदु 'जनता की और जनता के द्वारा' चर्चा में गौण हो गया है तथा "जनता के लिए" मुख्य बन गया है, शासक वर्ग ने स्वयं को विभिन्न राजनीतिक दलों में विभाजित कर वास्तविक विषय (जनता की जनता के द्वारा)को चर्चा से हटा ही दिया है. वर्तमान में किसी भी राजनितिक या बौधिक चर्चा में मुख्य विषय जनता के लिए ही होता है

अब्राहम लिंकन

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

लोकतंत्र की मुख्य विशेषताएँ:-

1. **लोकतंत्र आम लोगों की भलाई का मनोरथ रखता है -** लोकतंत्र लोगों का, लोगों द्वारा और लोगों के लिए शासन है। लोकतंत्र में, प्रभुसत्ता लोगों के हाथों में होती है। इसलिए जनता प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से खुद ही शासक होती है। लोकतंत्र का मुख्य उद्देश्य संपूर्ण जनता की राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक प्रगति है। लोकतंत्र एक ऐसी प्रणाली है जिसमें कोई व्यक्ति या किसी विशेष वर्ग के कल्याण के लिए प्रशासन चलाया नहीं जाता है, बल्कि संपूर्ण जनता के कल्याण के लिए प्रयास किए जाते हैं।
2. **यह समानता के सिद्धांत पर आधारित है -** लोकतांत्रिक शासन प्रणाली का मुख्य सिद्धांत समानता है। इसका मतलब केवल राजनीतिक समानता नहीं है, बल्कि आर्थिक और समाजिक समानता भी है। लोकतंत्र में जाति, संपत्ति, धर्म या रंग के आधार पर राजनीतिक क्षेत्र में कोई भेदभाव नहीं किया जाता है, बल्कि सभी को विकसित होने के लिए समान अधिकार दिए जाते हैं।
3. **स्वतंत्रता मानव विकास के लिए आवश्यक है -** लोकतंत्र की मुख्य शक्ति स्वतंत्रता है, स्वतंत्रता के बिना, किसी व्यक्ति का पूर्ण विकास संभव नहीं है, जितनी स्वतंत्रता व्यक्ति को लोकतंत्र में प्राप्त हो सकती है, उतनी स्वतंत्रता किसी को शासन में नहीं होती। लोकतंत्र में, नागरिकों को विचारों को व्यक्त करने, एक समुदाय का निर्माण करने, सरकार की आलोचना करने और समाचार पत्रों आदि की पूर्ण स्वतंत्रता होती है। व्यक्ति किसी भी धर्म को स्वीकार

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

करने या अस्वीकार करने के लिए स्वतंत्र है। लोकतांत्रिक प्रणाली में स्वतंत्रता का अधिकार केवल दिया ही नहीं जाता, बल्कि लोगों की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए स्वतंत्र न्यायपालिका का भी प्रबंध किया जाता है।

4. **लोगों को राजनीतिक शिक्षा मिलती है -** लोकतांत्रिक प्रणाली में चुनाव होते हैं। इन चुनावों को जीतने के लिए, विभिन्न राजनीतिक दल चुनाव आंदोलन चलाते हैं और अपने दल की नीतियों को घोषित करते है। उनके नेता शासन की प्रशंसा या आलोचना करते है। जनता अपने प्रतिनिध चुनती है। और शासन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हिस्सा लेते है। इन सभी गतिविधियों के माध्यम से जनता को राजनीतिक शिक्षा मिलती है।
5. **विदरोह या क्रांति की कोई संभावना नहीं होती -** प्राचीन काल में, जब राजतंत्र होता था, तो इतिहास गवाह है कि कभी-कभी शासन परिवर्तन के दौरान खून-खराबा होता था। लेकिन लोकतंत्र एक ऐसा शाशन है जिसमें अयोग सरकार को बदलने के लिए हिंसक कार्रवाई नहीं की जाती है, बल्कि लोग मतदान के अधिकार का उपयोग करके शांतिपूर्ण तरीके से सरकार बदल सकते हैं। इस संबंध में, गिलक्रिईस्ट (Gilchrist) ने कहा है कि, "लोकतंत्र सार्वजनिक सहमति का शासन है, इसलिए यह क्रांतिकारी नहीं हो सकता है।"
6. **जिम्मेदार सरकार -** एक लोकतांत्रिक प्रणाली में, शासन लोगों की इच्छा के अनुसार चलाया जाता है। जनता सरकार चलाने के लिए एक योग्य प्रतिनिधि चुनती है। जनता के चुने हुए प्रतिनिधि जनता के विश्वास को ग्रहण करते हैं और जनमत की राय के आधार पर शासन करते हैं। लोगों पर आधारित होने से सरकार में स्थिरता पैदा होती हैं। जनता के प्रतिनिधियों को इस बात का अहसास होता है कि अगर वे प्रशासन को जनता की इच्छा अनुसार नहीं चलाते हैं, तो उन्हें अगले चुनाव में नहीं चुना जाएगा। यह भी संभव है कि आयोग शासकों को अगले चुनाव से पहले हटा दिया जाए। जनता के चुने हुए प्रतिनिधि जनता के हर काम के प्रति जिम्मेदार होते हैं।

इन परिभाषाओं का सारांश:-

- लोगों द्वारा चुने शासकों द्वारा ही प्रमुख फैसले लिए जाते हों।

- चुनाव लोगों के लिए निष्पक्ष अवसर और इतने विकल्प उपलब्ध कराता है कि चाहे तो मौजूदा शासकों को बदल सकते हैं।
- यह विकल्प और अवसर सभी लोगों को समान रूप से उपलब्ध हो।
- इस चुनाव से बनी सरकार संविधान द्वारा तय बुनियादी कानूनो और नागरिक अधिकारों के दायरे को मानते हुए काम करती है।

लोकतान्त्रिक सरकार की मुख्य विशेषताएँ:-

- नागरिकों को भाषण देने व विचार व्यक्त करने की पूर्ण स्वतंत्रता
- स्वतंत्र व निष्पक्ष रुप से चुनाव करने की व्यवस्था
- राजनैतिक दलों को स्वतंत्र रूप से काम करने की आज्ञा
- व्यापारियों को व्यापारिक संघ स्थापित करने की पूर्ण स्वतंत्रता
- प्रेस को पूर्ण आज़ादी

गैर – लोकतान्त्रिक सरकार के कुछ लक्षण:-

- लोग सरकार और उसकी नीतियों की आलोचना नहीं कर सकते।
- शासनकर्ता सर्वेसर्वा होता है।
- विपक्षी दलों का कोई स्थान नहीं।
- मजूदरों को व्यापारिक संघ स्थापित करने की अनुमति नहीं।
- प्रेस को पूर्ण आज़ादी प्राप्त नहीं।

लोकतंत्र के खिलाफ तर्क:-

1. **अस्थिरता:-** लोकतंत्र में नेता बदलते रहते हैं इससे अस्थिरता पैदा होती है।
2. **फैसलों में देरी:-** लोकतंत्र का मतलब सिर्फ राजनीतिक लड़ाई और सत्ता का खेल है यह नैतिकता की कोई जगह नहीं होती। लोकतांत्रिक व्यवस्था में इतने लोगों से बहस और सारे चर्चा करनी पड़ती है कि हर फैसले में देरी होती है। चुने हुए नेताओं को लोगों के हितों का पता ही नहीं होता इसके चलते खराब फैसले होते हैं।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

3. **भ्रष्टाचार की संभावना:-** लोकतंत्र में चुनावी लड़ाई महत्वपूर्ण और खर्चीली होती है इसलिए इसमें भ्रष्टाचार होता है।
4. **चुनावी प्रक्रिया महंगी:-** लोकतंत्र में चुनावी लड़ाई महत्वपूर्ण और खर्चीली होती है।
5. **सामान्य लोगों को सरकार चुनने का फैसला लेने में कठिनाई:-** सामान्य लोगों को पता नहीं होता कि उनके लिए क्या चीज अच्छी है और क्या चीज बुरी इसलिए उन्हें किसी चीज का फैसला नहीं करना चाहिए।

लोकतंत्र के पक्ष में तर्क:-

1. **शासन का अधिक जवाबदेही वाला रुप:-**
   - अर्थशास्त्री और राजनीतिज्ञ इसका प्रमुख कारण मानते हैं दोनों शासन व्यवस्थाओं में अंतर भारत में बहुदलीय शासन व्यवस्था थी, जहां विपक्ष था और सरकार की आलोचना करने वाली स्वतंत्र मीडिया जिसके कारण सरकार ने आगे बढ़ कर जनता को सहायता करने वाली कार्यवाही की। चीन की सरकार ने इस प्रकार के किसी भी कार्य को महत्वपूर्ण नहीं समझा।
   - इसलिए लोकतांत्रिक शासन पद्धति दूसरों से बेहतर है क्योंकि यह शासन का अधिक जवाबदेही वाला स्वरूप है।
2. **बेहतर निर्णय लेने की सम्भावना:-** लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में प्रमुख फैसले व्यापक चर्चा और बहसों के बाद ही लिए जाते हैं जिससे कि गलती की गुंजाइश कम हो सके और बेहतर निर्णय लेने की संभावनाओं को बढ़ाया जा सके।
3. **नागरिकों का सम्मान:-** लोकतंत्र नागरिकों का सम्मान बढ़ाता है जो हैसियत नागरिकों की लोकतांत्रिक व्यवस्था में है वह अन्य किसी और व्यवस्था में नहीं।
4. **मतभेदों और टकराव को सँभालने का तरीका उपलब्ध:-** लोकतंत्र मतभेदों और टकराव को संभालने का तरीका उपलब्ध कराता है।
5. **गलतियों के सुधार के अवसर:-** सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह हमे अपनी गलती ठीक करने का मौका देता है।

लोकतंत्र का वृहत्तर अर्थ:-

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

- अतः लोकतंत्र का वृहत्तर अर्थ एक ऐसी शासन प्रणाली से है जिसमें सभी नागरिक को चाहे वह शक्तिशाली हो या कमजोर उसकी बात का समान महत्व हो।
- सरकार नागरिकों के बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए ये करें।
- लोकतंत्र के लाभों का वितरण समान रूप से हो।
- सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में समानता की स्थापना हो।
- गरीबी, अशिक्षा, भुखमरी जैसी कमजोरियों को ज्यादा से ज्यादा सरकारी प्रयास द्वारा समाप्त कर दिया गया हो।

Fukey Future's Key Fukey Education

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 17)

प्रश्न 1 यहाँ चार देशों के बारे में कुछ सूचनाएँ हैं। इन सूचनाओं के आधार पर आप इन देशों का वर्गीकरण किस तरह करेंगे? इनके सामने 'लोकतांत्रिक', 'अलोकतांत्रिक' और 'पक्का नहीं लिखे।

a) देश क : जो लोग देश के अधिकारिक धर्म को नहीं मानते उन्हें वोट डालने का अधिकार नहीं हैं।
b) देश ख : एक ही पार्टी बीते वर्षों से चुनाव जीतती आ रही है।
c) देश ग : पिछले तीन चुनावों में शासक दल के पराजय का मुँह देखना पड़ा।
d) देश घ : यहाँ स्वतंत्र चुनाव आयोग नहीं है।

उत्तर –

a) अलोकतांत्रिक
b) पक्का नहीं
c) लोकतांत्रिक
d) अलोकतांत्रिक

प्रश्न 2 यहाँ चार अन्य देशों के बारे में कुछ सूचनाएँ दी गई हैं। इन सूचनाओं के आधार पर इन देशों का वर्गीकरण आप किस तरह करेंगे? इनके आगे 'लोकतांत्रिक', 'अलोकतांत्रिक' और 'पक्का नहीं लिखें।

a) देश च : संसद सेना प्रमुख की मंजूरी के बिना सेना के बारे में कोई कानून नहीं बना सकती।
b) देश छ : संसद न्यायपालिका के अधिकारों में कटौती का कानून नहीं बना सकती।
c) देश जे : देश के नेता बिना पड़ोसी देश की अनुमति के किसी और देश से संधि नहीं कर सकते।
d) देश झ : देश के अधिकांश फैसले केन्द्रीय बैंक के अधिकारी करते हैं जिसे मंत्री भी नहीं बदल सकते।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

उत्तर –

a) अलोकतांत्रिक

b) लोकतांत्रिक

c) अलोकतांत्रिक

d) अलोकतांत्रिक

प्रश्न 3 इनमें से कौन-सा तर्क लोकतंत्र के पक्ष में अच्छा नहीं है और क्यों?

a) लोकतंत्र में लोग खुद को स्वतंत्र और समान मानते हैं।

b) लोकतांत्रिक व्यवस्थाएँ दूसरों की तुलना में टकरावों को ज्यादा अच्छी तरह सुलझाती हैं।

c) लोकतांत्रिक सरकारें लोगों के प्रति ज़्यादा उत्तरदायी होती है।

d) लोकतांत्रिक देश दूसरों की तुलना में ज़्यादा समृद्ध होते है।

उत्तर – 'लोकतांत्रिक देश दूसरों की तुलना में ज्यादा समृद्ध होते हैं। लोकतंत्र के पक्ष में अच्छा तर्क नहीं है क्योंकि भारत जैसे कुछ लोकतांत्रिक देश अब भी आर्थिक रूप से विकसित हो रहे हैं। जबकि संयुक्त अरब अमीरात जैसे राजतंत्र वाले देश आर्थिक रूप से समृद्ध हैं।

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 18)

प्रश्न 4 इन कथन में कुछ चीजें लोकतांत्रिक हैं तो कुछ अलोकतांत्रिक। हर कथन में इन चीजों को अलग-अलग करके लिखें।

1. एक मंत्री ने कहा कि संसद को कुछ कानून पास करने होंगे। जिससे विश्व व्यापार संगठनों द्वारा तय नियमों की पुष्टि हो सके।

उत्तर –

- **लोकतांत्रिक चीज-** संसद को कुछ कानून पास करने होंगे।
- **अलोकतांत्रिक चीज-** विश्व व्यापार संगठन द्वारा तय नियमों की पुष्टि हो सके।

2. चुनाव आयोग ने एक चुनाव क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर दोबारा मतदान का आदेश दिया जहाँ बड़े पैमाने पर मतदान में गड़बड़ की गई थी।

Fukey Education

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

उत्तर –

- **लोकतांत्रिक चीज-** "चुनाव आयोग ने किसी चुनाव क्षेत्र में दोबारा मतदान का आदेश दिया। "
- **अलोकतांत्रिक चीज-** "बड़े पैमाने पर मतदान में गड़बड़ हुई थी।"

3. संसद में औरतों को प्रतिनिध्त्व कभी भी 1 प्रतिशत तक नहीं पहुँचा है। इसी कारण महिला संगठनों ने संसद में एक-तिहाई आरक्षण की माँग की है।

उत्तर –

- **लोकतांत्रिक चीज-** " इसी के कारण महिला संगठनों ने एक तिहाई आरक्षण की मांग की है।"
- **अलोकतांत्रिक चीज-** "संसद में औरतों का प्रतिनिधित्व कभी भी 10 प्रतिशत तक नहीं पहुँचा है।"

प्रश्न 5 लोकतन्त्र में अकाल और भुखमरी की संभावना कम होती है। यह तर्क देने का इनमें से कौन-सा कारण सही नहीं है?

a) विपक्षी दल भूख और भुखमरी की ओर सरकार को ध्यान दिला सकते हैं।

b) स्वतंत्र अखबार देश के विभिन्न हिस्सों में अकाल की स्थिति के बारे में खबरें दे सकते हैं।

c) सरकार को अगले चुनाव में अपनी पराजय का डर होता है।

d) लोगों को कोई भी तर्क मानने और उस पर आचरण करने की स्वतंत्रता है।

Fukey Education

उत्तर –

d) लोगों को कोई भी तर्क मानने और उस पर आचरण करने की स्वतंत्रता है।

प्रश्न 6 किसी जिले में 40 ऐसे गाँव हैं जहाँ सरकार ने पेयजल उपलब्ध कराने का कोई इंतजाम नहीं किया है। इन गाँवों के लोगों ने एक बैठक की और अपनी जरुरतों की ओर सरकार का ध्यान दिलाने के लिए कई तरीकों पर विचार किया। इनमें से कौन-सा तरीका लोकतांत्रिक नहीं है?

a) अदालत में पानी को अपने जीवन के अधिकार का हिस्सा बताते हुए मुकदमा दायर करना।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

b) अगले चुनाव का बहिष्कार करके सभी पाटियों को संदेश देना।

c) सरकारी नीतियों के खिलाफ जन सभाएँ करना।

d) सरकारी अधिकारियों को पानी के लिए रिश्वत देना।

उत्तर –d) सरकारी अधिकारियों को पानी के लिए रिश्वत देना।: यह एक अलोकतांत्रिक तरीका है।

प्रश्न 7 लोकतंत्र के खिलाफ दिए जाने वाले इन तक का जबाव दीजिए-

1. सेना देश का सबसे अनुशासित और भ्रष्टाचार मुक्त संगठन है। इसलिए सेना को देश का शासन करना चाहिए।

उत्तर – सेना देश की रक्षा के लिए महत्त्वपूर्ण है किंतु यह लोगों द्वारा निर्वाचित नहीं है। इसलिए यह एक लोकतांत्रिक सरकार का गठन नहीं कर सकती। बेशक सेना सबसे अधिक अनुशासित एवं भ्रष्टाचार मुक्त संगठन है, तथापि कोई भी यह गारंटी नहीं दे सकता कि सेना तानाशाह नहीं बनेगी। ऐसे शासन के अधीन नागरिकों के सभी मौलिक अधिकार छीन लिए जाएंगे। उदाहरण के लिए, जनरल ऑगस्तो पिनोशे के शासन के अधीन चिले की जनता को कष्ट भोगने पड़े।

2. बहुमत के शासन का मतलब है मूख और अशिक्षितों का राज हमें तो होशियारों की जरूरत है, भले ही उनकी संख्या कम क्यों न हो।

उत्तर – सभी लोग कुछ सीमा तक समझदार हैं। सार्वभौम वयस्क मताधिकार सिद्धांत के अनुसार हमारे देश में 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को मतदान का अधिकार है। समाज के कुछ वर्गों की अनदेखी करना अनुचित होगा।

3. अगर आध्यात्मिक मामलों में मार्गदर्शन के लिए हमें धर्म-गुरुओं की जरूरत होती है तो उन्ही को राजनैतिक मामलों में मार्गदर्शन का काम क्यों नहीं सौपा जाए। देश पर धर्म गुरुओं का शासन होना चाहिए।

उत्तर – तीसरा कथन खतरनाक है। राजनीति में धर्म को शामिल करने से गंभीर विवाद पैदा हो सकते हैं क्योंकि भारत जैसे कई धर्मों के देश में अपनी विचारधाराओं में पारस्परिक मतभेदों के कारण धर्म-गुरु विनाश का कारण बन सकते हैं। विश्व इतिहास में अभी तक किसी भी धार्मिक

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

राजनेता द्वारा चलाई जा रही सरकार सफल सिद्ध नहीं हुई है। धर्म को किसी भी देश के राजनैतिक मामलों में दखल नहीं देना चाहिए।

प्रश्न 8 इनमें से किन कथनों को आप लोकतांत्रिक समझते हैं? क्यों?

1. **बेटी से बाप मैं-** शादी के बारे में तुम्हारी राय सुनना नहीं चाहता। हमारे परिवार में बच्चे वहीं शादी करते हैं जहाँ माँ-बाप तय कर देते हैं।

उत्तर – पहला कथन लोकतांत्रिक नहीं है क्योंकि बेटी को उसकी शादी के बारे में अपना मत प्रकट करने का अवसर नहीं दिया जा रहा है। बेटी को दूसरे लोगों द्वारा उसकी इच्छा के विरुद्ध शादी करने के लिए विवश नहीं किया जाना चाहिए। विवाह के पश्चात् बेटी को ही अपने पति के साथ जीवन-निर्वाह करना होता है। इसलिए बेटी के विवाह में पति का चयन करते समय बेटी के विचार को महत्त्व दिया जाना चाहिए।

2. **छात्र से शिक्षक-** कक्षा में सवाल पूछकर ध्यान मत बँटाओ।

उत्तर – दूसरी कथन लोकतांत्रिक नहीं है क्योंकि छात्र को प्रश्न पूछ कर अपने मन में उत्पन्न संशय का समाधान करने का पूरा अधिकार है। अध्यापक द्वारा छात्र को प्रश्न पूछने से रोकना अलोकतांत्रिक है। उपयुक्त तो यह होता है कि शिक्षक छात्रों से कहें कि कक्षा समाप्त होने के पश्चात् छात्र अपने मन में उठे विषय से सम्बन्धित प्रश्नों का समाधान करें। शिक्षक को छात्रों के प्रश्नों का निश्चय ही समाधान करना चाहिए।

3. **अधिकारियों से कर्मचारी-** हमारे काम करने के घंटे कानून के अनुसार कम किए जाने चाहिए।

उत्तर – यह कथन लोकतांत्रिक है क्योंकि वह ऐसे नियम या कानून की माँग करता है जो कर्मचारियों के लिए लाभप्रद है। कर्मचारी कानूनी मानकों के अनुरूप अपने अधिकारी से किसी चीज की माँग कर सकते हैं। अतः यह कथन लोकतांत्रिक मूल्यों के सापेक्ष है।

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 19)

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

प्रश्न 9 एक देश के बारे में निम्नलिखित तथ्यों पर गौर करें और फैसला करें कि आप इसे लोकतंत्र कहेंगे या नहीं। अपने फैसले के पीछे के तर्क भी बताएँ।

a) देश के सभी नागरिकों को वोट देने का अधिकार है और चुनाव नियमित रुप से होते हैं।
b) देश के अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से ऋण लिया। ऋण के साथ यह एक शर्त जुड़ी थी कि सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य पर अपने खर्चे में कमी करेगी।
c) लोग सात से ज्यादा भाषाएँ बोलते हैं पर शिक्षा का माध्यम सिर्फ एक भाषा है, जिसे देश के 52 फीसदी लोग बोलते हैं।
d) सरकारी नीतियों का विरोध करने के लिए अनेक संगठनों ने संयुक्त रुप से प्रदर्शन करने और देश भर में हड़ताल करने का आह्वान किया है। सरकार ने उनके नेताओं को गिरफ्तार कर लिया
e) देश के रेडियो और टेलीविजन चैनल सरकारी हैं। सरकारी नीतियों और विरोध के बारे में खबर छापने के लिए अखबारों को सरकार से अनुमति लेनी होती है।

उत्तर –

a) ऐसा देश लोकतांत्रिक है क्योंकि देश के सभी नागरिकों को मतदान का अधिकार है और नियमित रूप से चुनाव कराए जाते हैं।
b) लोकतंत्र नागरिकों की गरिमा में बढ़ोतरी करता है। एक लोकतांत्रिक सरकार नागरिकों के कल्याण के लिए कार्य करती है। शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर खर्च में कमी करना लोगों के लिए कल्याणकारी | नहीं होगा। इसलिए ऐसे देश को लोकतांत्रिक नहीं कहा जा सकता क्योंकि कोई भी लोकतांत्रिक देश शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर खर्च में कमी के लिए सहमत नहीं होगा।
c) राष्ट्रभाषा एक भाषा हो सकती है क्योंकि ऐसी चीज व्यापक स्तर पर राष्ट्रीय एकता लाती है। किन्तु अन्य भाषाओं को भी उनके संबंधित क्षेत्र में प्रोत्साहित करना चाहिए। मेरा विचार है कि यह देश अलोकतांत्रिक नहीं है।
d) सभी लोकतांत्रिक राज्य अपने नागरिकों को हड़ताल करने का अधिकार देते हैं, इससे राज्य अलोकतांत्रिक नहीं बन जाता।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

e) यह अलोकतांत्रिक है। रेडियो तथा टेलीविजन सरकारी नहीं होना चाहिए। लोगों को समाचार-पत्रों, रेडियो तथा टेलीविजन द्वारा अपने विचार प्रकट करने तथा सरकार की जन-विरोधी नीतियों की आलोचना करने का पूरा अवसर मिलना चाहिए।

प्रश्न 10 अमेरिका के बारे में 2004 में आई एक रिपोर्ट के अनुसार वहाँ के समाज में असमानता बढ़ती जा रही है। आमदनी की असमानता लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विभिन्न वर्गों की भागीदारी घटने-बढ़ने के रूप में भी सामने आई। इन समूहों की सरकार के फैसलों पर असर डालने की क्षमता भी इससे प्रभावित हुई है। इस रिपोर्ट की मुख्य बातें थीं

a) सन् 2004 में एक औसत अश्वेत परिवार की आमदनी 100 डालर थी जबकि गोरे परिवार की आमदनी 162 डालर/ औसत गोरे परिवार के पास अश्वेत परिवार से 12 गुना ज्यादा सम्पत्ति थी।

b) राष्ट्रपति चुनाव में 75,000 डालर से ज्यादा आमदनी वाले परिवारों के प्रत्येक 10 में से 9 लोगों ने वोट डाले थे। यही लोग आमदनी के हिसाब से समाज के ऊपरी 20 फीसदी में आते हैं। दूसरी ओर 15,000 डालर से कम आमदनी वाले परिवारों के प्रत्येक 10 में से सिर्फ 5 लोगों ने ही वोट डाले। आमदनी के हिसाब से ये लोग सबसे निचले 20 फीसदी हिस्से में आते हैं।

c) राजनैतिक दलों का करीब 95 फीसदी चंदा अमीर परिवारों से ही आता है। इससे उन्हें अपनी राय और चिंताओं से नेताओं को अवगत कराने का अवसर मिलता है। यह सुविधा देश के अधिकांश नागरिकों को उपलब्ध नहीं है।

d) जब गरीब लोग राजनीति में कम भागीदारी करते हैं तो सरकार भी उनकी चिंताओं पर कम ध्यान देती हैगरीबी दूर करना, रोजगार देना, उनके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास की व्यवस्था करने पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता जितना दिया जाना चाहिए। राजनेता अक्सर अमीरों और व्यापारियों की चिंताओं पर ही नियमित रूप से गौर करते हैं।

इस रिपोर्ट की सूचनाओं को आधार बनाकर और भारत के उदाहरण देते हुए 'लोकतंत्र और गरीबी' पर एक लेख लिखें।

उत्तर –

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

भारत में आर्थिक आधार पर अत्यधिक असमानता पायी जाती है। समाज में एक वैभवशाली, साधन सम्पन्न विलासी वर्ग है तो वहीं ऐसे लोग भी हैं, जिन्हें वक्त की रोटी भी मुश्किल से मिल पाती है। इससे स्पष्ट है कि लोगों की आय में अत्यधिक असमानता पायी जाती है। मानव विकास रिपोर्ट के अनुसार भारत में 26 प्रतिशत लोग गरीबी की श्रेणी में आते हैं। निर्धनता अनेक सामाजिक और आर्थिक बुराइयों को जन्म देती है। निर्धन व्यक्ति को हमेशा अपने भरणपोषण की चिन्ता सताती रहती है। ऐसे में उसके पास समाज और देश की समस्याओं के बारे में विचार करने का न तो समय होता है और न ही इच्छा। गरीब व्यक्ति चुनाव लड़ना तो दूर उसके बारे में मुश्किल से सोच पाता है क्योंकि उसके सामने आर्थिक समस्याओं का पहाड़ खड़ा रहता है। राजनीतिक दल पूँजीपतियों से पार्टी फण्ड में चन्दा लेते हैं, इसलिए यह आम धारणा है कि सरकार पर पूँजीपतियों का नियंत्रण है। प्रत्येक राजनीतिक दल गरीबों की गरीबी का राजनीतिक लाभ उठाना चाहता है। चुनाव के समय सभी राजनीतिक दल गरीबी उन्मूलन की बात तो करते हैं किन्तु सत्ता में आने के बाद वे अपने इस वायदे को भूल जाते हैं। निर्धनता ने अनेक हिंसात्मक आन्दोलनों को जन्म दिया है। निश्चय ही निर्धनता भारतीय लोकतन्त्र की सफलता में बहुत बड़ी बाधा है।

Fukey Education

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com